मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2 **BSKC–102**

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.सी.–102 : संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक विश्लेषण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में चार खण्ड हैं। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत* ***या*** *हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी किसी एक माध्यम में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

खण्ड—क

1. वेदों के प्रतिपाद्य विषय को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

ब्राह्मण ग्रन्थों के प्रतिपाद्य विषय को स्पष्ट करते हुए ब्राह्मण ग्रन्थों के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

2. रामायणकालीन समाज व संस्कृति पर लेख लिखिए। 20

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

अथवा

महाभारतकालीन समाज व संस्कृति पर लेख लिखिए।

खण्ड—ख

3. 'पुराण' शब्द के अर्थ को समझाते हुए पुराण का लक्षण लिखिए। 20

अथवा

पुराणों के महत्त्व पर एक निबन्ध लिखिए।

4. कठोपनिषद् की विषय-वस्तु लिखिए। 10

अथवा

महर्षि वाल्मीकि पर एक निबन्ध लिखिए।

खण्ड—ग

5. चार्वाक दर्शन पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

जैन दर्शन पर प्रकाश डालिए।

6. वैशेषिक दर्शन की पदार्थ-मीमांसा का वर्णन कीजिए। 10

अथवा

दर्शनशास्त्र की जीवन में उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

खण्ड—घ

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लघु टिप्पणियाँ लिखिए : $5 \times 2 = 10$

(क) पाणिनि

(ख) महर्षि वेदव्यास

(ग) सुन्दरकाण्ड

(घ) वेदाङ्ग

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com